[हमारे अतीत भाग -3 कक्षा -8] 5 जब जनता बगावत करती है 1857 और उसके बाद

प्रश्न 1. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की अंग्रेजों से ऐसी क्या माँग थी जिसे अंग्रेजों ने ठुकरा दिया?

उत्तर: झाँसी की रानी की मांग झाँसी की रानी चाहती थी कि कंपनी उनके पति को मृत्यु के बाद उनके गोद लिए हुए बेटे को वैध उत्तराधिकारी मान लें।

प्रश्न 2. ईसाई धर्म अपनाने वालों के हितों की रक्षा के लिए अंग्रेजों ने क्या किया?

उत्तर : ईसाई धर्म अपनाने वालों के हितों की रक्षा केलिए अंग्रेजों ने

1. 1850 में एक नया कानून बनाया जिससे ईसाई धर्म को अपनाना और आसान हो गया।

2. इस कानून में प्रावधान किया गया था कि अगर कोई भारतीय व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाता है तो भी पुरखों की संपत्ति पर उसका अधिकार पहले जैसा ही रहेगा।

प्रश्न 3. सिपाहियों को नए कारतूसों का क्यों ऐतराज था?

उत्तर :नए कारतूसों पर ऐतराज का कारण :

1. सिपाहियों को लगता था कि कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी का लेप चढ़ाया गया था।

2. बंदूक में कारतूस लगाने के लिए कारतूस पर लगी पट्टी दाँत से काटनी पड़ती थी।

3. इससे हिंदू एवं मुसलमान सिपाहियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचती थी।

प्रश्न 4.अंतिम मुगल बादशाह ने अपने आखिरी साल किस तरह बिताए ?

उत्तर : मुगल बाहशाह के जीवन के आखिरी साल:

1. उन पर मुकदमा चलाया गया और उनको आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

2. बादशाह के बेटों को उनकी आँखों के सामने गोली मार दी गई।

3. बादशाह तथा उनकी पत्नी बेगम जीनत महल को 1858 में रंगून जेल भेज दिया गया जहाँ नवंबर 1862 में उनकी मृत्यु हो गई।

प्रश्न 5 मई 1857 से पहले भारत में अपनी स्थिति को लेकर अंग्रेज शासकों के आत्मविश्वास के क्या कारण थे?

उत्तर अंग्रेजों के आत्मविश्वास के कारण

1. अंग्रेजों की सोच थी कि भारतीय सिपाही उनके विश्वसनीय है, क्योंकि 1857 से पहले उन्होंने भारतीय सिपाहियों को सहायता से कई लड़ाइयाँ जीती थीं तथा बड़े-बड़े विद्रोह कुचले थे।

GUPS 7DPN

2. स्थानीय शासकों की स्वतंत्रता घटती जा रही थी, क्योंकि उनकी सेनाओं को भंग कर दिया गया था तथा उनके राजस्व वसूलने के अधिकार छीन लिए गए थे अतः वे भारत में अपनी स्थिति को लेकर आत्मविश्वास से भरे हुए थे।

प्रश्न 6. बहादुर शाह जफर द्वारा विद्रोहियों को समर्थन दे देने जनता और राज परिवारों पर क्या असर पड़ा?

उत्तर: जनता और राज परिवारों पर प्रभाव

1. महादुर शाह जफर के समर्थन से जनता बहुत उत्साहित हुई उनका उत्साह और साहस बढ़ गया। इससे उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत उम्मीद और आत्मविश्वास मिला।

2. ब्रिटिश शासन के विस्तार से भयभीत बहुत सारे शकों को लगने लगा कि अब फिर से मुगल बादशाह अपना शासन स्थापित कर लेंगे जिससे ये अपने इलाकों में बेफिक्र होकर शासन चला सकेंगे।

प्रश्न 7 अवध के बागी भूस्वामियों से समर्पण करवाने के लिए अंग्रेजों ने क्या किया?

उत्तर:

1. अंग्रेजों ने कुछ भू-स्वामियों, राजाओं व नवाओं पर मुकदमे चलाए तथा उन्हें फाँसी दे दी।

2. भू-स्वामियों ने विद्रोह किया था यदि उन्होंने किसी अंग्रेज को हत्या नहीं की है और वे आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो उन्हें सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी और जमीन पर उनका अधिकार और दावेदारी बनी रहेगी।

प्रश्न: 8 1857 की बगावत के फलस्वरूप अंग्रेजों ने अपनी नीतियाँ किस तरह बदली?

उत्तर: अंग्रेजों की नीति में बदलाव:

1. ब्रिटिश संसद ने 1858 में एक नया कानून पारित किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के सारे अधिकार ब्रिटिश साम्राज्य के हाथ में सौंप दिए।

2. ब्रिटिश मंत्रिमंडल के एक सदस्य को भारत मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। उसे सलाह देने के लिए एक परिषद का गठन किया गया जिसे इंडिया काउंसिल कहा जाता था।

3. भारत के गवर्नर जनरल को वायसराय कहा जाने लगा।

4.देश के सभी शासकों को भरोसा दिया गया कि भविष्य में कभी भी उनके भू-क्षेत्र पर कब्जा नहीं किया जाएगा। भारतीय शासकों को ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन शासन चलाने की छूट दी गई।

5. सेना में भारतीय सिपाहियों का अनुपात कम करने और यूरोपीय सिपाहियों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया गया।

6. मुसलमानों की जमीन और संम्पति बड़े पैमाने पर जब्त की गयी, क्योंकि 1857 के विद्रोह का कारण मुसलमानों को माना गया।

7. अंग्रेजों ने भारत के लोगों के धर्म और सामाजिक रीति-रिवाजों का सम्मान करने का निर्णय लिया।

8. भूस्वामियों और ज़मीदारों के जमीन पर अधिकारों को स्थायित्व देने के लिए नीतियाँ बनाई गई।

Notes prepared by Lekhram Chaudhary & Tejpal Sharma [Team GUPS 7DPN – Bhadra]

डाउनलोड करें दुसरे विषयों के नोट्स पीडीऍफ़ में Click Here

GUPS 7DPN